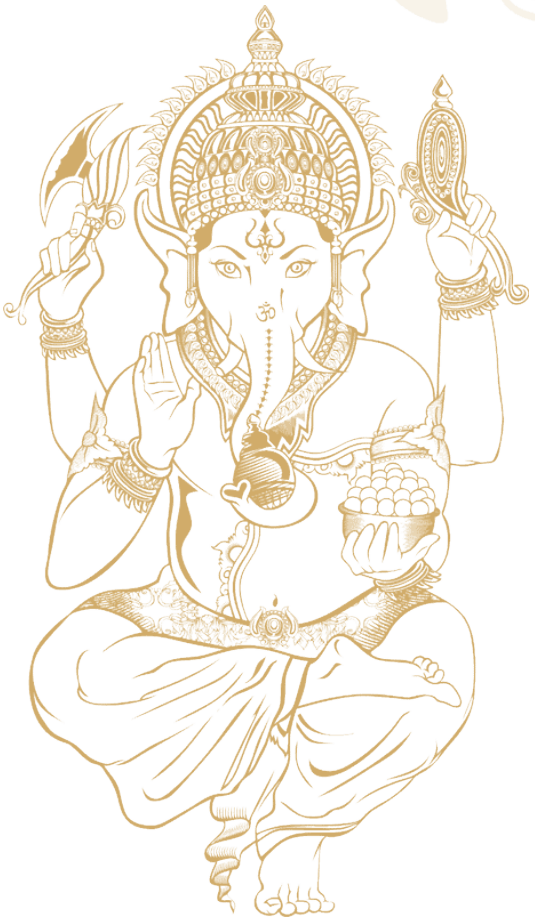

Aditya Ritu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119382502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/05/1995	जन्म तिथि	05/09/2002
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:40:00	जन्म समय	09:00:00 घंटे
घटी 04:31:41	जन्म समय(घटी)	07:04:51 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:19	सूर्योदय	06:10:03
18:55:10	सूर्यास्त	18:39:53
23:47:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 3वर्ष 0मा 23दि	19:24:44	वृष	लग्न	कन्या	26:45:32	बुध 11वर्ष 6मा 28दि
बुध	21:18:47	मेष	सूर्य	सिंह	18:31:17	शुक्र
29/05/2017	00:46:46	कर्क	चंद्र	कर्क	20:55:11	03/04/2021
29/05/2034	28:09:53	कर्क	मंगल	सिंह	10:16:09	03/04/2041
बुध 26/10/2019	11:25:39	वृष	बुध	कन्या	15:15:16	शुक्र 03/08/2024
केतु 22/10/2020	19:48:30	वृश्चि व	गुरु	कर्क	13:26:53	सूर्य 03/08/2025
शुक्र 23/08/2023	23:01:41	मीन	शुक्र	तुला	03:39:23	चन्द्र 04/04/2027
सूर्य 28/06/2024	28:01:27	कुंभ	शनि	मिथु	04:00:32	मंगल 03/06/2028
चन्द्र 28/11/2025	11:44:39	तुला व	राहु व	वृष	19:39:08	राहु 04/06/2031
मंगल 25/11/2026	11:44:39	मेष व	केतु व	वृश्चि	19:39:08	गुरु 02/02/2034
राहु 13/06/2029	06:40:47	मक व	हर्ष व	कुंभ	02:20:02	शनि 03/04/2037
गुरु 19/09/2031	01:44:17	मक व	नेप व	मक	14:49:54	बुध 02/02/2040
शनि 29/05/2034	05:49:56	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:02:11	केतु 03/04/2041

लग्न-चलित

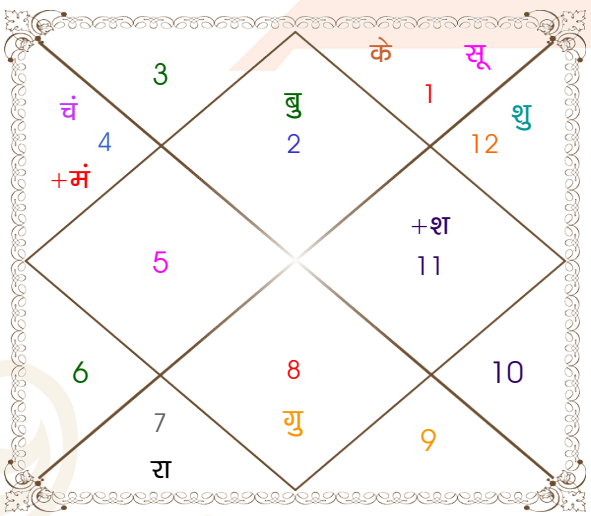

लग्न-चलित

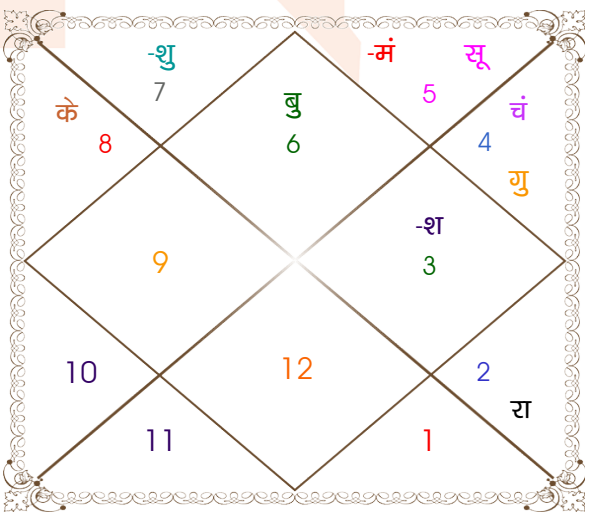

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मार्जार	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

।कपजलं का वर्ग मेष है तथा त्पजन का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है। अष्टकूट मिलान के अनुसार ।कपजलं और त्पजन का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।कपजलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्पजन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।कपजलं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।कपजलं तथा त्पजन में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।